**लोक सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या** *15

**18 जुलाई, 2016 को उत्तर के लिए**

**इस्पात उत्पादन**

*15. डॉ. स्वामी साक्षीजी महाराज:

श्री नारणभाई काछड़िया:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान सरकारी क्षेत्र के विभिन्न इस्पात संयंत्रों द्वारा नियत लक्ष्यों की तुलना में उत्पादित इस्पात की कुल मात्रा कितनी है और इस्पात उत्पादन की प्रतिशत वृद्धि दर कितनी रही;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इस्पात की कुल मांग का कितना प्रतिशत स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा पूरा किया गया;

(ग) निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर धनराशि की कमी सहित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के सामने आ रही समस्याओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) नई इस्पात नीति और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के इस्पात संयंत्रों के विस्तार/आधुनिकीकरण की स्थिति क्या है; और

(ङ) इस्पात क्षेत्र के सामने आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**इस्पात मंत्री** **(श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह)**

(क) से (ड.): एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

***

**"इस्पात उत्पादन" के बारे में डॉ. स्वामी साक्षीजी महाराज और श्री नारणभाई काछड़िया, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा में दिनांक 18 जुलाई, 2016 के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *15 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में निर्दिष्ट विवरण**

(क): विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान स्टील अॅथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) द्वारा उत्पादित क्रूड इस्पात की मात्रा इनके निर्धारित लक्ष्य की तुलना में तथा इस्पात उत्पादन की प्रतिशत वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

<u>स्टील अॅथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)</u>

| | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---|---|---|---|
| लक्ष्य (मिलियन टन) | 14.0 | 15.0 | 15.5 |
| उत्पादन (मिलियन टन) | 13.6 | 13.9 | 14.3 |
| गत वर्ष की तुलना में % वृद्धि | 1.49 | 2.21 | 2.87 |

<u>राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)</u>

| | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---|---|---|---|
| लक्ष्य (मिलियन टन) | 3.66 | 4.36 | 4.21 |
| उत्पादन (मिलियन टन) | 3.20 | 3.30 | 3.64 |
| गत वर्ष की तुलना में % वृद्धि | 4.23 | 3.13 | 10.30 |

(ख): विगत तीन वर्षों के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा इस्पात की पूरी की गई कुल मांग का प्रतिशत नीचे दिया गया है:-

(मात्रा हजार टन में)

| वर्ष | देश में इस्पात की कुल खपत * | सेल द्वारा फिनिश्ड इस्पात की आपूर्ति | कुल मांग में सेल का % हिस्सा |
|---|---|---|---|
| 2013-14 | 67994 | 10078 | 14.8% |
| 2014-15 | 70236 | 9671 | 13.8% |
| 2015-16 | 72703 | 10122 | 13.9% |

* स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति

(ग): वर्ष 2014-15 और 2015-16 की अवधि के दौरान इस्पात के आयातों मे समनुरूपी अवधि की तुलना में क्रमश: 75 प्रतिशत और 27 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप इस्पात की घरेलू कीमतों में तीव्र गिरावट आई है। गिरती कीमतो से सेल समेत घरेलू इस्पात उत्पादको को बिक्री से कम प्राप्ति हुई है। कीमतों मे गिरावट से कम्पनी को नकद घाटा हुआ है, जिसकी पूर्ति सेल द्वारा बैंक ऋणों और बाजार ऋण से की जा रही है।

(घ): वर्तमान मे राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 लागू है। नई राष्ट्रीय नीति संकल्पना चरण में है।

स्टील ॲथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 61870 करोड़ रूपये की संकेतात्मक लागत से अपने इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य आरम्भ किया है। भिलाई इस्पात संयंत्र को छोड़कर आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य योजना के अंर्तगत सभी प्रमुख सुविधाये पूरी कर ली गई है तथा इन्हे स्थिर बनाया जा रहा है।

(ड.): भारतीय इस्पात उद्योग वर्तमान मे अत्यधिक क्षमता की विद्यमानता के साथ-साथ वैश्विक इस्पात व्यवसायियों द्वारा उत्पादो की डम्पिंग और उनकी लूटमार कीमत निर्धारण के कारण मन्दी के दौर से गुजर रहा है। सरकार ने घरेलू इस्पात क्षेत्र द्वारा सामना की जा रही समस्याओं का सामना करने तथा घरेलू इस्पात उत्पादन के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाये है। इनमें निम्नलिखित शामिल है:-

(i) सरकार ने फरवरी, 2016 मे 173 इस्पात उत्पादो पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) लगाया है।
(ii) जून, 2015 में स्टैनलेस स्टील के विभिन्न प्रकारों के हॉट रोल्ड चपटे उत्पादो पर पांच वर्षों के लिए एन्टी डम्पिंग शुल्क लगाया गया था।
(iii) सितम्बर, 2015 मे हॉट रोल्ड के कुछ चपटे इस्पात उत्पादो पर 20 प्रतिशत का अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाया गया था।
(iv) सरकार ने विभिन्न फिनिश्ड और सेमी फिनिश्ड इस्पात मदों के आयात शुल्क मे वृद्धि की है।

***